

दिनांक	कार्यवाही विवरण
--------	-----------------

18/11/25
 पञ्चवली पेश हुई। अधिवक्ता प्राची उपस्थित।
 अधिवक्ता प्राची के प्राचीन फर्द में मूल बांड के निम्नलिखित
 तर्क बांडवाला आराजीमत की मॉरी व रिमॉर्ड की
 प्रथास्थिति बनाए रखने हेतु अधिवक्ता प्रो. 01/902
 को पाबन्द किने जाने हेतु निवेदन किया गया। पञ्चवली
 का अवलोकन किया गया। अधिवक्ता प्राची की वकालत
 पर मनन किया गया। कतः प्राची को प्राचीन फर्द
 फलानति धारा 212 राजस्थान वास्तव्य अधिनियम
 का खीना (विना जाकट) अधिवक्ता प्रो. 01/902 का
 पाबन्द किया जाता है कि ग्राम गडारिया के पालसेला
 35। खसप लेखा 953 रकबा 0200 हेक्टेयर खाता
 संख्या 35। खसप लेखा 954, 955 रकबा 00500 हेक्टेयर
 खाता संख्या 189 खसप लेखा 956, 957, 958 रकबा
 0.5000 हेक्टेयर कुल कितो 06 कुल रकबा 10280
 हेक्टेयर अतिनामक बांड के निम्नलिखित तर्क पर
 रिमॉर्ड की प्रथास्थिति बनाए रखने। पञ्चवली के
 शुणाट के नम्बर से करी जावे। मूल पञ्चवली के
 साध लेखन की जावे।

सहायक कलेक्टर
 देवगढ़, जिला राजसमन्व